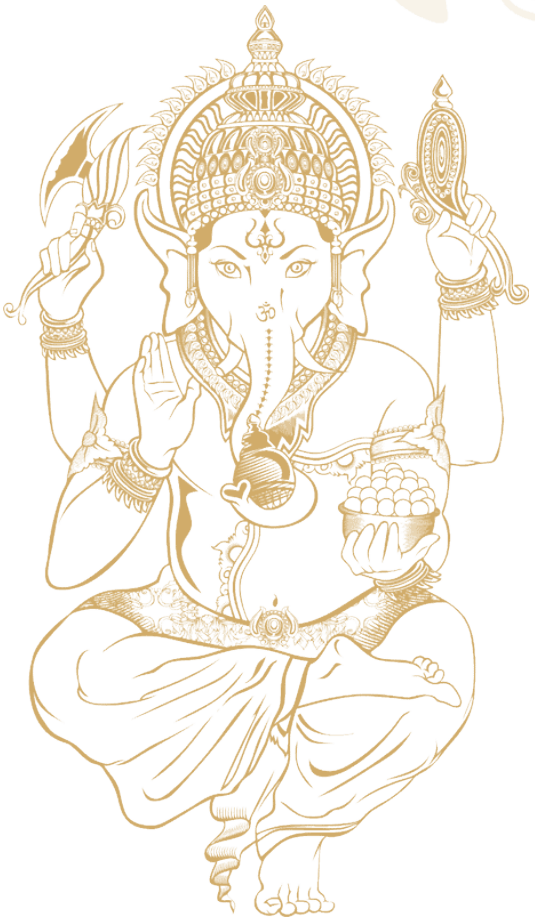

14 Sep 1989

09:00 AM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121388607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/09/1989**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:00:00 घंटे**
इष्ट	08:35:43 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:11:32 घंटे
वेलान्तर	00:04:21 घंटे
साम्पातिक काल	08:43:54 घंटे
सूर्योदय	05:33:42 घंटे
सूर्यास्त	17:54:01 घंटे
दिनमान	12:20:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:35:14 सिंह
लग्न के अंश	12:44:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	धृति
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:44:19	315:29:33	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			सिंह	27:35:14	00:58:25	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
चंद्र			कुंभ	08:56:22	14:36:05	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	02:45:30	00:38:39	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कन्या	16:34:06	00:14:47	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			मिथु	14:03:02	00:07:49	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	08:11:01	01:09:51	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			धनु	13:35:31	00:00:17	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	01:59:13	00:00:35	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	01:59:13	00:00:35	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	07:37:43	00:00:12	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप	व		धनु	15:54:24	00:00:14	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो			तुला	19:25:37	00:01:41	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	14:50:08	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:58

लग्न-चलित

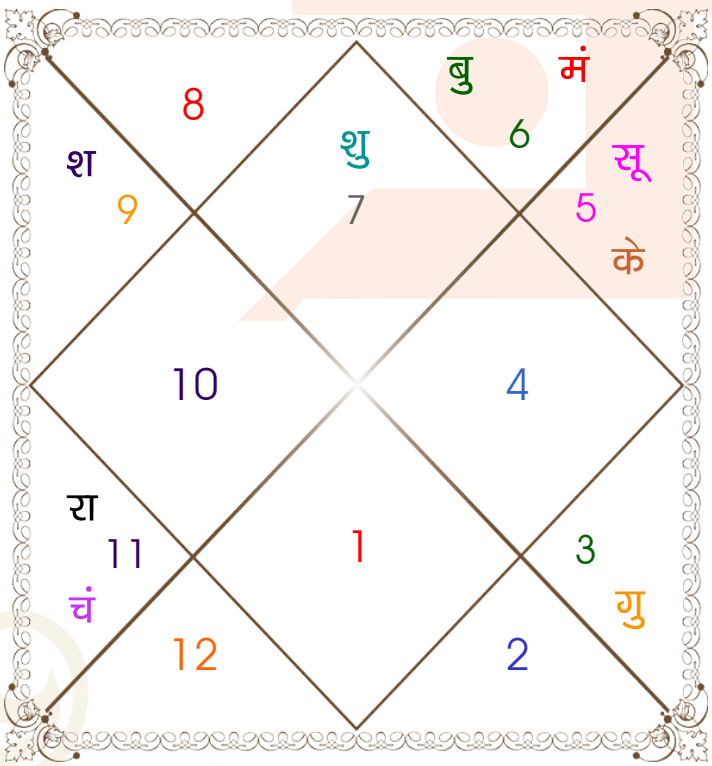

चन्द्र कुंडली

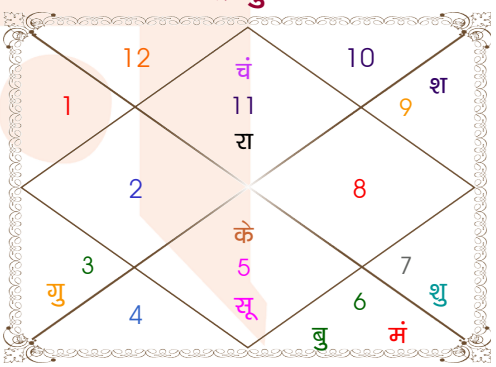

नवमांश कुंडली

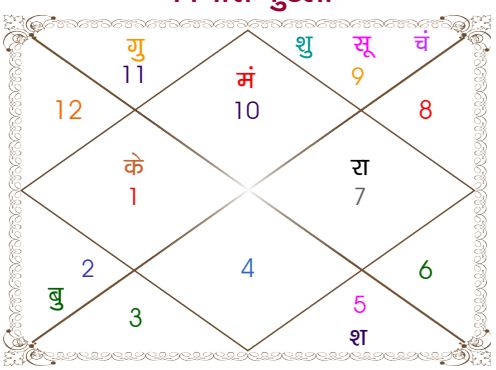

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 11 मास 5 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/09/1989		20/08/2004		20/08/2020		20/08/2039		20/08/2056	
20/08/2004		20/08/2020		20/08/2039		20/08/2056		20/08/2063	
	14/09/1989	गुरु	08/10/2006	शनि	24/08/2023	बुध	16/01/2042	केतु	16/01/2057
गुरु	26/09/1991	शनि	20/04/2009	बुध	03/05/2026	केतु	13/01/2043	शुक्र	18/03/2058
शनि	02/08/1994	बुध	27/07/2011	केतु	11/06/2027	शुक्र	13/11/2045	सूर्य	24/07/2058
बुध	18/02/1997	केतु	02/07/2012	शुक्र	11/08/2030	सूर्य	20/09/2046	चंद्र	22/02/2059
केतु	09/03/1998	शुक्र	03/03/2015	सूर्य	24/07/2031	चंद्र	19/02/2048	मंगल	21/07/2059
शुक्र	09/03/2001	सूर्य	20/12/2015	चंद्र	21/02/2033	मंगल	15/02/2049	राहु	08/08/2060
सूर्य	31/01/2002	चंद्र	20/04/2017	मंगल	02/04/2034	राहु	05/09/2051	गुरु	14/07/2061
चंद्र	02/08/2003	मंगल	27/03/2018	राहु	06/02/2037	गुरु	11/12/2053	शनि	23/08/2062
मंगल	20/08/2004	राहु	20/08/2020	गुरु	20/08/2039	शनि	20/08/2056	बुध	20/08/2063

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
20/08/2063		20/08/2083		20/08/2089		20/08/2099		21/08/2106	
20/08/2083		20/08/2089		20/08/2099		21/08/2106		00/00/0000	
शुक्र	20/12/2066	सूर्य	08/12/2083	चंद्र	20/06/2090	मंगल	17/01/2100	राहु	03/05/2109
सूर्य	20/12/2067	चंद्र	08/06/2084	मंगल	19/01/2091	राहु	04/02/2101	गुरु	15/09/2109
चंद्र	20/08/2069	मंगल	14/10/2084	राहु	20/07/2092	गुरु	11/01/2102		00/00/0000
मंगल	20/10/2070	राहु	07/09/2085	गुरु	19/11/2093	शनि	20/02/2103		00/00/0000
राहु	20/10/2073	गुरु	26/06/2086	शनि	21/06/2095	बुध	17/02/2104		00/00/0000
गुरु	20/06/2076	शनि	08/06/2087	बुध	19/11/2096	केतु	15/07/2104		00/00/0000
शनि	20/08/2079	बुध	14/04/2088	केतु	20/06/2097	शुक्र	14/09/2105		00/00/0000
बुध	20/06/2082	केतु	20/08/2088	शुक्र	19/02/2099	सूर्य	20/01/2106		00/00/0000
केतु	20/08/2083	शुक्र	20/08/2089	सूर्य	20/08/2099	चंद्र	21/08/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 10 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।